अत्यतं गोपनीय - केवल आतंरिक एवं सीमित प्रयोग हेतु

सीनियर स्कूल सर्टिफिके ट परीक्षा - **2020**

अंक-योजना HISTORY

SUBJECT CODE : 027 PAPER CODE : 61/4/3

सामान्य निर्देश :-

1. आप जानते हैं कि परीक्षार्थियों के सही और उचित आकलन के लिए उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी भूल भी गंभीर समस्या को जन्म दे सकती है जो परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा प्रणाली और अध्यापन-व्यवस्था को भी प्रभावित कर सकती है। इससे बचने के लिए अनुरोध किया जाता है कि मूल्यांकन प्रारंभ करने से पूर्व ही आप मूल्यांकन निर्देशों को **पढ़ और समझ** लें। **मूल्यांकन हम सबके लिए 10-12 दिन का मिशन है अतः यह आवश्यक है कि आप इसमें अपना महत्वपूर्ण योगदान दें।**

2. मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही किया जाना चाहिए, अपनी व्यक्तिगत व्याख्या या किसी अन्य धारणा के अनुसार नहीं। यह अनिवार्य है कि अंक-योजना का अनुपालन पूरी तरह और निष्ठापूर्वक किया जाए। **हालाँकि, मूल्यांकन करते समय नवीनतम सूचना और ज्ञान पर आधारित अथवा नवाचार पर आधारित उत्तरों को उनकी सत्यता और उपयुक्तता को परखते हुए पूरे अंक दिए जाएँ।**

3. मुख्य परीक्षक प्रत्येक मूल्यांकन कर्ता के द्वारा पहले दिन जाँची गई पाँच उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन की जाँच ध्यानपूर्वक करें और आश्वस्त हों कि मूल्यांकन-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही मूल्यांकन किया जा रहा है। परीक्षकों को बाकी उत्तर पुस्तिकाएँ तभी दी जाएँ जब वह आश्वस्त हो कि उनके अंकन में कोई भिन्नता नहीं है।

4. परीक्षक सही उत्तर पर सही का निशान (√) लगाएँ और गलत उत्तर पर गलत का (**×**)। मूल्यांकन-कर्ता द्वारा ऐसा चिह्न न लगाने से ऐसा समझ में आता है कि उत्तर सही है परंतु उस पर अंक नहीं दिए गए। परीक्षकों द्वारा यह भूल सर्वाधिक की जाती है।

5. यदि किसी प्रश्न का उपभाग हों तो कृपया प्रश्नों के उपभागों के उत्तरों पर **दायीं ओर** अंक दिए जाएँ। बाद में इन उपभागों के अंकों का योग **बायीं ओर** के हाशिये में लिखकर उसे गोलाकृत कर दिया जाए। **इसका अनुपालन दृढ़तापूर्वक किया जाए।**

6. यदि किसी प्रश्न के कोई उपभाग न हो तो बायीं ओर के हाशिये में अंक दिए जाएँ और उन्हें गोलाकृत किया जाए। इसके अनुपालन में भी दृढ़ता बरती जाए।

7. यदि परीक्षार्थी ने किसी प्रश्न का उत्तर दो स्थानों पर लिख दिया है और किसी को काटा नहीं है तो जिस उत्तर पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों, उस पर अंक दें और दूसरे को काट दें। यदि परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न/प्रश्नों का उत्तर दे दिया है तो जिन उत्तरों पर अधिक अंक प्राप्त हो रहे हों उन्हें ही स्वीकार करें/ उन्हीं पर अंक दें।

8. एक ही प्रकार की अशुद्धि बार-बार हो तो उसे अनदेखा करें और उस पर अंक न काटे जाएँ।

9. यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि मूल्यांकन में संपूर्ण अंक पैमाने 0 – 80 का प्रयोग अभीष्ट है अर्थात परीक्षार्थी ने यदि सभी अपेक्षित उत्तर-बिंदुओं का उल्लेख किया है तो उसे पूरे अंक देने में संकोच न करें।

10. प्रत्येक परीक्षक को पूर्ण कार्य-अवधि में अर्थात 8 घंटे प्रतिदिन अनिवार्य रूप से मूल्यांकन कार्य करना है और प्रतिदिन मुख्य विषयों की बीस उत्तर-पुस्तिकाएँ तथा अन्य विषयों की 25 उत्तर पुस्तिकाएँ जाँचनी हैं। (विस्तृत विवरण 'स्पॉट गाइडलाइन' में दिया गया है)

11. यह सुनिश्चित करें कि आप निम्नलिखित प्रकार की त्रुटियाँ न करें जो पिछले वर्षों में की जाती रही हैं –

- उत्तर पुस्तिका में किसी उत्तर या उत्तर के अंश को जाँचे बिना छोड़ देना।
- उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना।
- उत्तर या दिए गए अंकों का योग ठीक न होना।
- उत्तर पुस्तिका के अंदर दिए गए अंकों का आवरण पृष्ठ पर सही अंतरण न होना।
- आवरण पृष्ठ पर प्रश्नानुसार योग करने में अशुद्धि।
- योग करने में अंकों और शब्द में अंतर होना।
- उत्तर पुस्तिकाओं से ऑनलाइन अंकसूची में सही अंतरण न होना।
- कुल अंकों के योग में अशुद्धि
- उत्तरों पर सही का चिह्न (√) लगाना किंतु अंक न देना। सुनिश्चित करें कि (√) या **(×)** का उपयुक्त निशान ठीक ढंग से और स्पष्ट रूप से लगा हो। यह मात्र एक रेखा के रूप में न हो)
- उत्तर का एक भाग सही और दूसरा गलत हो किंतु अंक न दिए गए हों।

12. उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करते हुए यदि कोई उत्तर पूर्ण रूप से गलत हो तो उस पर (x) निशान लगाएँ और शून्य (0) अंक दें।

13. उत्तर पुस्तिका में किसी प्रश्न का बिना जाँचे हुए छूट जाना या योग में किसी भूल का पता लगना, मूल्यांकन कार्य में लगे सभी लोगों की छवि को और बोर्ड की प्रतिष्ठा को धूमिल करता है।

14. सभी परीक्षक वास्तविक मूल्यांकन कार्य से पहले 'स्पॉट इवैल्यूएशन' के निर्देशों से सुपरिचित हो जाएँ।

15. प्रत्येक परीक्षक सुनिश्चित करे कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन हुआ है, आवरण पृष्ठ पर तथा योग में कोई अशुद्धि नहीं रह गई है तथा कुल योग को शब्दों और अंकों में लिखा गया है।

16. केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड पुन: मूल्यांकन प्रक्रिया के अंतर्गत परीक्षार्थियों के अनुरोध पर निर्धारित शुल्क भुगतान के बाद उन्हें उत्तर पुस्तिकाओं की फोटो कॉपी प्राप्त करने की अनुमति देत। है।

MARKING SCHEME HISTORY-027
CLASS XII
AISSCE, MARCH 2020
CODE NO. Set-61/4/3

Q.NO	अपेक्षित उत्तर / मूल्य अंक	PAGE NO.	MARKS
	PART - A		
1	**a-** राजगृह	Pg 31	1
2	**d-** इसके आंकड़ों को समान रूप से सभी राज्यों से समान रूप से एकत्र किया गया था	Pg 220	1
3	जजमानी प्रणाली	Pg 205	1
4	**a-**मोंटेस्कूयू	Pg 132	1
5	**d** – (i)-b, (ii) – c, (iii) – a, (iv)- d	Pg. 202,213	1
6	**c** – (1),(4),(3) और (2)	Pg 173	1
7	जॉन मार्शल	Pg 20	1
8	**d-** उन्होंने धम्म के माध्यम से समाज का कल्याण किया	Pg 47	1
9	**c-** 1,2 & 3	Pg 16	1
10	कुषाण राजा की की बलुआ पत्थर से बनी मूर्ति (कनिष्क) दृष्टिबाधितों के लिए··· सिक्के / . मूर्ति / शिलालेख / आदि (कोई 1)	Pg 37	1
11	.**कुषाणों द्वारा जारी किए गए सोने के सिक्के** - वे सोने के सिक्के जारी करने वाले पहले शासक थे। उनके सोने के सिक्के रोमन और पार्थियन शासकों द्वारा जारी किए गए के समान थे। **गुप्त शासको द्वारा जारी किए गए सोने के सिक्के** सबसे शानदार थे और शुद्धता के लिए जाने जाते थे और लंबी दूरी के लेनदेन के लिए उपयोग किए जाते थे।	Pg 45	1
12	**a** –a – वह मुहम्मद बिन तुगलक के साम्राज्य के दौरान काजी था	Pg 118	1
13	कौटिल्य (चाणक्य) या चंद्रगुप्त मौर्य	Pg 32	1
14	फ्रांसवा बेर्नियर	Pg- 122	1
15	Mansabdari System	Pg 214	1
16	**c-** शाह मल	Pg- 293	1
17	**a-** दोनों (A) और (R) सभी सही हैं और (R) (A) की सही व्याख्या है	Pg 339	1
18	**a-** वाजिद अली शाह एक अलोकप्रिय शासक थे	Pg 296	1
19	**a-** केवल (1) और (2)	Pg 321	1

20	फोर्ट विलियम्स या फोर्ट सेंट जॉर्ज	Pg 324	1
	PART - B		
21	**पुरातत्वविदों द्वारा वर्गीकरण के सिद्धांतों को अतीत के साथ** i. वर्गीकरण का सामन्य सिद्धांत प्रयुक्त पदार्थों जैसे -पत्थर धातु अस्थि हाथीदांत मिट्टी, धातु, हड्डी, आइवरी आदि ii. उपयोगिता के आधार पर - औजार या आभूषण iii. आधुनिक समय में उसके प्रयुक्त वस्तुओं की समानता के आधार पर - म,के चक्कियां , पत्थर के फलक iv. पूरा वास्तु की उपयोगिता के उस सन्दर्भ के परीक्षण के आधार पर v. अप्रत्यक्ष साक्ष्यों के आधार पर जैसे मूर्तियों का चित्रण vi. रातत्वविदों ने हड़प्पा स्थल पर कपास के निशान जैसे अप्रत्यक्ष सबूतों के माध्यम से शोध किया। vii. पुरातत्वविदों ने मेसोपोटामिया में पाए जाने वाले सांस्कृतिक अनुक्रम और तुलना में जगह के संदर्भ में संदर्भ का फ्रेम विकसित किया है। **vi।** कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किसी भी तीन बिंदुओं को उदाहरणों के साथ उचित ठहराया जाना चाहिए **अथवा** **हड़प्पा लिपि एक रहस्यमयी लिपि के रूप में** i. यह लिपि आज तक पढ़ी नहीं जा सकी ii. सबसे लंबे शिलालेख में लगभग 26 चिन्ह हैं। iii. 375-400 के बीच इसके कई संकेत हैं iv. यह लिपि वर्णमालिय नहीं थी v. यह लिपि दायी से बायीं और लिखी जाती थी vi. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु	Pg-22 Pg-15	**3** 3

	किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या .		
22	**विठ्ठला मंदिर की विशेषताएं:** i. मुख्य देवता के रूप में विष्णु की मूर्ति। ii. कई हॉल और रथ के रूप में बनाया गया एक अनूठा मंदिर। iii. रथ गली। iv. गोपुरम v. स्तंभित मंडप। vi. पथ के साथ सड़कें पक्की हो गईं। vii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किसी भी तीन बिंदुओं का वर्णन किया जाना है।	Pg- 188	3
23	**राष्ट्रभाषा के रूप में हिंदुस्तानी** i. गांधीजी को लगा कि सभी को आम भाषा बोलनी चाहिए। ii. यह भारत के एक बड़े हिस्से की एक लोकप्रिय भाषा थी। iii. हिंदुस्तानी हिंदी और उर्दू का मिश्रण था। iv. हिंदुस्तानी एक समग्र भाषा थी। v. यह बहु सांस्कृतिक भाषा विविध समुदायों के लिए आदर्श मानी जाती थी। vi. यह विभिन्न क्षेत्रों के लोगों द्वारा समझी जाती थी vii. यह हिंदू और, मुसलमानों और उत्तर और दक्षिण के लोगों को एकजुट कर कर सकती थी viii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु किन्हीं तीन बिंदुओं की व्याख्या	Pg-425	3
24	**रैयतवारी प्रथा और रैयत** i. राजस्व को रैयतों के साथ व्यवस्थित किया गया ii. राजस्व की मांग इतना अधिक था कि रैयत भुगतान करने में सक्षम नहीं थे। वे अपने गांवों को छोड़कर पलायन कर गए। iii. कलेक्टरों ने रैयतों से भुगतान को अत्यंत गंभीरता से लिया। iv. ऋण का भुगतान करने में असमर्थता के कारण फसलों की जब्ती हुई और पूरे गांव पर जुर्माना लगाया गया।		

	v. रैयतों ने ऋणदाताओं से उच्च ब्याज दर पर ऋण उधार लिया। vi. रैयत क़र्ज़ में डूब गए vii. रैयत साहूकारों को कुटिल समझते थे viii. बांध पत्रों में जाली आंकड़े देते थे ix. सीमा कानून, प्रथागत कानूनों का उल्लंघन किया गया। x. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु कोई भी तीन <u>बिंदु उदाहरण के साथ</u>	Pg 278	3
	<u>PART - C</u>		
25	**वी.एस. सुथंकर और सामाजिक इतिहास का पुनर्निर्माण** i. भारतीय संस्कृतिकर्मी वी.एस. सुथंकर ने महाभारत के आलोचनात्मक संस्करण को तैयार करने का प्रयास किया। ii. देश के विभिन्न हिस्सों से ग्रंथों की पांडुलिपियों का संग्रह। iii. टीम ने प्रत्येक पांडुलिपि के छंदों की तुलना की iv. 13,000 पृष्ठों में छंद प्रकाशित। v. उपमहाद्वीप में पाए जाने वाले कहानी के संस्कृत संस्करणों में सामान्य तत्व vi. क्षेत्रीय संस्करणों में क्षेत्रीय विविधताएं मिलीं vii. प्रभेद उन गूढ़ प्रक्रियाओं के शोधक है जिन्होंने प्रभशाली परंपरायो और लचीले विचार और आचरण के बीच संवाद कायम कर के सामाजिक इतिहासों को रूप दिया viii. संवाद द्वन्द और मतव्य को चित्रित किया हैबदलाव को फुटनोट और परिशिष्टों में प्रलेखित किया गया था ix. विभिन्नताओं ने स्थानीय विचारों और प्रथाओं के माध्यम से प्रारंभिक और बाद में सामाजिक इतिहास को आकार दिया x. इतिहासकारों द्वारा सामाजिक इतिहास के मुद्दों का पता लगाया गया था xi. पाली, प्राकृत और तमिल में रचनाओं से यह संकेत मिलता था कि प्रामाणिक संस्कृत ग्रंथों में निहित विचार पूरे आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त थे। xii. महाभारत के उदाहरण जैसे: परिजन पर आधारित परिवार, पितृसत्ता का आदर्श महत्वपूर्ण और मूल्यवान था, बहुविवाह और बहुविवाह जैसे विवाह के नियम प्रतिबिंबित होते हैं, महाभारत ने पुष्ट किया कि वर्ण व्यवस्था दिव्य मूल की थी xiii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु	Pg 54	8

	समग्रता में मूल्यांकन **अथवा** **अछूतों का जीवन** i. व्यवस्था से बाहर के लोगों को ब्राह्मणों द्वारा अछूत कहा जाता था। ii. उन्हें अपवित्र माना जाता था। iii. वे लाशों और मृत जानवरों को संभालने जैसी गतिविधियाँ करते थे। iv. चांडाल कहा जाता था। v. पदानुक्रम के नीचे रखे गए थे। vi. मनुस्मृति ने चांडाल के कर्तव्यों को निर्धारित किया जैसे: उन्हें गाँव के बाहर रहना पड़ता था। vii. उन्हें छोड़े गए बर्तनों का उपयोग करना था। viii. मृत और लोहे के गहनों के कपड़े पहने। ix. वे गाँवों और शहरों में नहीं जा सकते थे। x. उन्हें गलियों में ताली बजानी पड़ी। xi. उन्हें जल्लाद और मेहतर के रूप में काम करना था। xii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु समग्रता में मूल्यांकन	Pg- 64-65	8
26	**अकबर-नामा** i. अबुल फ़ज़्ल द्वारा लिखित। ii. यह पाण्डुलिपि स्रोतों, विवरण देने के पारम्परिक ऐतिहासिक दृष्टिकोण , आधिकारिक दस्तावेजों और मौखिक प्रशंसापत्रों पर आधारित है। iii. इसे तीन पुस्तकों में विभाजित किया गया है और तीसरी पुस्तक ऐन-ए-अकबरी है - मंज़िल आबादी , सिपाह आबादी और मुल्क आबादी की रचना। iv. सभी पक्षों का विवरण प्रस्तुत किया है v. यह भौगोलिक, सामाजिक, राजनीतिक, प्रशासनिक और सांस्कृतिक को बताते हुए अकबर के शासनकाल का विस्तृत विवरण प्रदान करता है। vi. अबुल फज़ल की भाषा अलंकृत थी सो इसमें कथन शैली और लय को महत्पूर्ण स्थान दिया गया		

	vii. भाषा में भारतीय फ़ारसी शैली को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है viii. उन्होंने अकबर से जुड़े विचारों को स्पष्ट किया। ix. यह तेरह साल में लिखा गया था। x. यह हिंदू, जैन, बौद्ध और मुस्लिम जैसे साम्राज्य की विविध आबादी को दर्शाता है। xi. इसने समग्र संस्कृति को दिखाया। xii. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। **समग्रता में मूल्यांकन** **अथवा** **OR** **विशिष्ट खिताबों को मुगल सम्राटों और महाद्वीपीय शक्तियों के साथ उनके संबंध** i. मुगल बादशाहों ने शहंशाह (राजाओं का राजा) के रूप में सामान्य खिताब ग्रहण किया ii. विशिष्ट उपाधियाँ जहाँगीर (विश्व द्रष्टा) मान ली गईं iii. शाहजहाँ (विश्व का राजा) भी माना जाता था iv. इन शीर्षकों और उनके अर्थों ने निर्विरोध क्षेत्रीय और राजनीतिक नियंत्रण के लिए मुगल सम्राटों के दावों को दोहराया। v. ईरान और मध्य एशिया से अलग हुए हिंदूकुश पर्वतों द्वारा परिभाषित सीमाओं के नियंत्रण पर मुगल राजाओं और ईरान और पड़ोसी देशों के बीच राजनैतिक और कूटनीतिक संबंध टिका हुआ था। vi. मुग़ल विदेश नीति का उद्देश्य रणनीतिक चौकियों को विशेष रूप से काबुल और कंधार को नियंत्रित करके संभावित खतरे को कम करना था। vii. ईरान और तूरान ,हिंदकुश पर्वत द्वारा परिभाषित सीमा पर नियंत्रण करना चाहते थे। viii. मुगलों ने काबुल और कंधार जैसे रणनीतिक क्षेत्रों को नियंत्रित करने की कोशिश की। ix. कंधार, सफ़ाविदों और मुगलों के बीच विवाद की एक कड़ी था। x. मुगलों के साथ सफ़ावदी ने राजनयिक संबंध बनाए रखे। xi. ओटोमन साम्राज्य में व्यापारियों और तीर्थयात्रियों के लिए आवागमन सुनिश्चित करने के लिए मुगलों और ओटोमन के बीच अच्छे संबंध। xii. मुगलों ने धर्म और वाणिज्य को मिला दिया। xiii. मक्का और मदीना के लिए भारी दान।	Pg-231 Pg-248-250	8 8

	xiv. अकबर द्वारा यूरोप से जेसुइट मिशन को निमंत्रण xv. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु। समग्रता में मूल्यांकन		
27	**असहयोग आंदोलन में महात्मा गांधी की भूमिका महत्वपूर्ण थी।** i. स्थानीय आंदोलनों- चंपारण, खेड़ा और अहमदाबाद की सफलता के बाद, गांधीजी ने 1920 में असहयोग आंदोलन शुरू करके रोलेट एक्ट, जलियांवाला बाग नरसंहार का विरोध शुरू किया। ii. यह रौलट सत्याग्रह था जिसने गांधीजी को वास्तव में राष्ट्रीय नेता बना दिया iii. असहयोग आंदोलन की विशेषताएं (किसी भी स्तर पर सरकार के साथ सहयोग नहीं करना)। iv. स्कूलों, कॉलेज और कानून अदालतों का बहिष्कार। राष्ट्रीय स्कूल, कॉलेज खोले गए v. करों का भुगतान न करना vi. सरकार के खिताब और स्वैच्छिक संघ का त्याग vii. यदि गांधीजी ने कहा कि असहयोग आंदोलन को प्रभावी ढंग से चलाया जाता, तो भारत एक साल में स्वराज जीत जाता। viii. संघर्ष को और व्यापक बनाने के लिए उन्होंने खिलाफत आंदोलन को असहयोग आंदोलन में मिला दिया। ix. असहयोग आंदोलन पहला जन आंदोलन था जिसने गांधीजी को जन नेता बनाया और भारतीय इतिहास के पाठ्यक्रम को भी बदल दिया। x. गांधीजी के अनुयायी गरीब किसान, श्रमिक, छात्र और वकील और उद्योगपति भी थे। xi. गांधीजी ने सफलतापूर्वक विभिन्न गुटों को एक साथ लाया। xii. चौरी चौरा की घटना के बाद जब गांधीजी ने आंदोलन वापस ले लिया, तो आंदोलन ढह गया। इसलिए, यह आंदोलन में गांधीजी की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। xiii. गांधी के लुई फिशर अमेरिकी जीवनी लेखक ने लिखा "असहयोग आंदोलन भारत और गांधीजी के जीवन में एक युग का नाम बन गया ... यह स्व शासन के लिए प्रशिक्षण था।" xiv. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु समग्र रूप से मूल्यांकन	Pg 348-350	8

	या "**भारत छोड़ो आंदोलन -जन आंदोलन** " i. क्रिप्स मिशन ’की विफलता के बाद गांधीजी ने भारत छोड़ो आंदोलन चलाया और नारा दिया- "करो या मरो"। ii. युवा कार्यकर्ताओं ने हड़तालें कीं iii. उन्होंने पूरे देश में तोड़फोड़ के कार्य भी किए iv. जेपी नारायण भूमिगत प्रतिरोध के लिए सक्रिय हो गए। v. गांधीजी की गिरफ्तारी के बाद, अरुणा आसफ अली, सुचेता कृपलानी आदि जैसे अन्य नेता सक्रिय हुए और जनता को संगठित किया। vi. कई जिलों में, स्वतंत्र सरकारें घोषित की गईं। vii. सतारा में, एक समानांतर सरकार प्रगति सरकार बनाई गई थी viii. मेदिनीपुर में स्वतंत्र सरकार की घोषणा की गई ix. युवाओं ने कॉलेजों और विश्वविद्यालयों को छोड़ दिया और जेल चले गए x. कई वर्ग, जातियां और अन्य श्रेणियां आंदोलन में शामिल हुईं। xi. अंग्रेजों ने बहुत ताकत से जवाब दिया xii. भारत छोड़ो आंदोलन हिंसक था लेकिन गांधीजी ने आंदोलन को बंद नहीं किया। xiii. गांधी जी ने 1944 में कांग्रेस और लीग के बीच अंतर को कम करने की कोशिश की। xiv. कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु समग्र रूप से मूल्यांकन	Pg- 363-364	8
28 28.1 28.2	**<u>एक राक्षसी</u>** **करिकमल अम्मियार ने खुद को सौंदर्य की पारंपरिक प्रकृति से अलग दर्शाया था।** <u>a)</u> उसने भगवान शिव की पूर्ण भक्ति प्राप्त करने के लिए अपनी सांसारिक सुंदरता को बहा दिया। b) उसने खुद को राक्षसी, फूली हुई नाड़ियों वाली बहार निकली आँखों वाली सफ़ेद दांत, उभरा हुआ उदर, लाल केश , बहार निकले दांत , लम्बी पिंडली वाली दर्शायाI 2 **अम्मियार की इस रचना ने पितृसत्तात्मक मानदंडों को चुनौती कैसे दी।** i. उसने भयभीत छवि लेने वाले पितृसत्तात्मक मानदंडों को परिभाषित किया।		

28.3	ii. उसने सामाजिक रूप से मान्य सुंदरता को अस्वीकार कर दिया। iii. उसने सामाजिक व्यवस्था की आलोचना की। (कोई दो बिंदु) २ **उसके सामाजिक दायित्वों के त्याग के किसी भी दो पहलुओं का विश्लेषण करें।** i. शिव की महान भक्ति और अत्यधिक तप के लिए मार्ग अपनाया ii. महिलाओं की सदाचार के गुण iii. वह जंगलों में भटकने लगी जिसे उसने भगवान शिव का घर माना। (कोई दो बिंदु) २	Pg-145	2+2+2
29 29.1 29.2 29.3	**औरतो की बरामदी का मतलब क्या था** **भारत के विभाजन के दौरान नरसंहार के दो कारण** a) सांप्रदायिक उन्माद b) सम्मान की रक्षा करना c) प्रशासन दंगों को नियंत्रित नहीं कर सका d) कोई अन्य प्रासंगिक बिंदु (कोई दो बिंदु) 2 **सामाजिक कार्यकर्ता और पुलिस नौजवान जोड़े को क्यों खोज रहे थे ?** a) अपहृत महिलाओं को वापस लाने के लिए ताकि उनका पुनर्वास किया जा सके b) दोनों विभिन्न समुदायों सिख और मुस्लिम से संबंधित थे। 2 **क्या आपको लगता है कि अधिकारी लड़की को वापस लेने की कोशिश में सही थे? अपने उत्तर का समर्थन करने के कारण बताएं।** a) अधिकारियों को विवाहित जोड़े के निजी जीवन में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए था। b) उनके अनावश्यक हस्तक्षेप के कारण लड़की की मृत्यु हो गई। 2 (छात्रों के विचारों को ध्यान में रखा जाए)	Pg-395	2+2+2

30 30.1 30.2 30.3	**थेरिगथा** **पुन्ना के विचारों को दो उदाहरणों से समझाइए।** i. वह ब्राह्मणवादी रिवाजों के खिलाफ थी। ii. उन्होंने बताया कि आध्यात्मिकता का सार शाश्वत आनंद में है। iii. उसने आत्मा की शुद्धता पर जोर दिया। (कोई दो बिंदु) २ **ब्राह्मण ने नदी में प्रतिदिन गोता लगाने के लिए क्या स्पष्टीकरण दिया** अपने दैनिक डुबकी के लिए औचित्य दिया i. स्नान के अनुष्ठान से बुराइयों को रोका जा सकता है। ii. पानी में नहाने से कुछ भी ठीक हो सकता है। 2 **बौद्ध दर्शन के मूल को स्पष्ट करें जो उनके गाथा के माध्यम से व्यक्त किया गया है।** i. बुद्ध ने जाति प्रथा और कर्मकांड की निंदा की। ii. बुद्ध ने लोगों से आध्यात्मिक अनुभव के माध्यम से ज्ञान प्राप्त करने का आग्रह किया। iii. संस्कार के बजाय आचरण और मूल्यों को महत्व दिया। (कोई दो बिंदु) २	Pg-93	2 +2+2
31 a) b)	31.1, 31.2- संलग्न मानचित्र देखें: **दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए** **बौद्ध धर्म के पवित्र स्थान** (कोई भी तीन स्थान) नागार्जुनकोंडा, सांची, अमरावती, लुम्बिनी, भरहुत, बोधगया, अजंता। **या** **मुगल शाही शहर।** (कोई तीन जगह) आगरा, लाहौर, फतेहपुर सीकरी, शाहजहानाबाद (दिल्ली)। **भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन** (कोई तीन स्थान) चंपारण, खेड़ा, अहमदाबाद, बनारस, अमृतसर, चौरी चौरा, लाहौर, बारडोली, दांडी, बॉम्बे, कराची		1x6=6 1x3=3 1x3=3

प्रश्न सं. 31 के लिए मानचित्र
Map for Q. No. 31

61/4/1, 2, 3